ईद या इस्तिस्क़ा की नमाज़ में इमाम के साथ केवल तशह्हुद पाने वाले व्यक्ति का हुक्म

[हिन्दी – **Hindi** – هندي]

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

अनुवादः अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

2011 - 1432

IslamHouse.com

﴿ حكم من أدرك التشهد مع الإمام في صلاة العيد ﴾ أو الاستسقاء

« باللغة الهندية »

اللجنة الدائمة للبحوث العلمية والإفتاء

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

2011 - 1432

IslamHouse.com

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत दे दे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

ईद या इस्तिस्क़ा की नमाज़ में इमाम के साथ तशह्हुद पाने वाले व्यक्ति का हुक्म

प्रश्नः

उस आदमी का क्या हुक्म है जिसने ईदैन और इस्तिस्क़ा (बारिश मांगने) की नमाज़ में नमाज़ियों के साथ तशह्हुद को पाया, तो क्या वह दो रक्अत नमाज़ पढ़ेगा और उसी तरह करेगा जिस तरह कि इमाम ने किया है या क्या करेगा ?

उत्तरः

जिस आदमी ने ईदैन या इस्तिस्क़ा (बारिश मांगने) की नमाज़ में इमाम के साथ केवल तशह्हुद को पाया है, तो वह इमाम के सलाम फेरने के बाद दो रकअत नमाज़ पढ़ेगा, और उन दोनों रकअतों में उसी तरह करेगा जिस तरह कि इमाम ने तक्बीर, क़िराअत, रूकूअ और सज्दा किया है।

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला है, तथा अल्लाह तआला हमारे ईशदूत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, आपकी संतान और साथियों पर दया और शांति अवतरित करे।''

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

शैख अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज़, शैख अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी, शैख अब्दुल्लाह बिन गुदैयान।

''फतावा स्थयी समिति'' (8/307) से उद्धृत